वेदांता का मार्केट कैप 2.6 लाख करोड़ रुपये के पार, शेयर 675 रुपये के नए रिकॉर्ड पर

Written by: **यशस्वी यादव**
Agency:News18.com

Last Updated:January 14, 2026, 11:54 IST

कमोडिटी कीमतों में तेजी के दम पर वेदांता लिमिटेड के शेयरों ने 14 जनवरी को ₹675 का नया रिकॉर्ड स्तर छू लिया. इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप करीब ₹2.6 लाख करोड़ पर पहुंच गया है. 2026 में अब तक शेयर में लगभग 11% की तेजी दर्ज की जा चुकी है. पिछले एक साल में वेदांता के शेयर ने 56% से ज्यादा का रिटर्न दिया है. डिविडेंड को शामिल करें तो कुल रिटर्न करीब 60% है. यह परफॉर्मेंस सेंसेक्स और निफ्टी 50 से करीब पांच गुना बेहतर और निफ्टी मेटल्स इंडेक्स से लगभग डेढ़ गुना ज्यादा है.

कमोडिटी कीमतों में लगातार तेजी के चलते वेदांता लिमिटेड के शेयरों ने 14 जनवरी को 675 रुपये का नया रिकॉर्ड बनाया है. इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप बढ़कर करीब 2.6 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया. इस साल अब तक शेयर में करीब 11% की बढ़त दर्ज की गई है.

पिछले एक साल में (13 जनवरी 2025 से 14 जनवरी 2026) एनएसई पर वेदांता के शेयर ने 56% से ज्यादा का रिटर्न दिया है, जो प्रमुख बाजार सूचकांकों से कहीं बेहतर है. अगर डिविडेंड को भी जोड़ लिया जाए तो कुल रिटर्न करीब 60% रहा. यह परफॉर्मेंस सेंसेक्स और निफ्टी 50 से लगभग पांच गुना और निफ्टी मेटल्स इंडेक्स से करीब डेढ़ गुना ज्यादा है. मंगलवार को शेयर 637.20 रुपये पर बंद हुआ था. दिसंबर 2025 के अंत तक वेदांता देश की 23वीं सबसे मूल्यवान लिस्टेड कंपनी है, जिसमें बैंकिंग, फाइनेंस और सरकारी कंपनियों को शामिल नहीं किया गया है.

क्यों आई शेयर्स में तेजी?

शेयरों में इस तेजी के पीछे एल्यूमिनियम की कीमतों में आगे और बढ़त की उम्मीद, उत्पादन में बढ़ोतरी, लागत घटने की संभावना और कंपनी के डीमर्जर से वैल्यू खुलने की उम्मीदें अहम कारण मानी जा रही हैं. इस बीच कॉपर की कीमत भी पहली बार 13,000 डॉलर प्रति टन के पार पहुंच गई है. तेजी को और मजबूती तब मिली जब 16 दिसंबर को एनसीएलटी की मुंबई बेंच ने वेदांता के डीमर्जर को मंजूरी दे दी. कंपनी के मुताबिक, डीमर्जर के बाद वेदांता पांच अलग-अलग लिस्टेड कंपनियों में बंटेगी.

हर कंपनी का अपना अलग फोकस, मैनेजमेंट और पूंजी ढांचा होगा. कंपनी का कहना है कि इससे शेयरधारकों के लिए लंबी अवधि में बेहतर वैल्यू बनेगी और निवेशकों को भारत की विकास कहानी और ग्लोबल एनर्जी बदलाव से जुड़े एसेट्स में निवेश का मौका मिलेगा.

चांदी की कीमतों में आई तेजी का फायदा

वेदांता की सब्सिडियरी हिंदुस्तान जिंक को भी चांदी की कीमतों में आई तेजी का फायदा मिला है. 14 जनवरी तक कंपनी का मार्केट कैप 2.81 लाख करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच गया. पिछले एक साल में हिंदुस्तान जिंक के शेयर ने करीब 52% का रिटर्न दिया है. दिसंबर में ग्लोबल रिसर्च फर्म जेफरीज ने कंपनी पर कवरेज शुरू करते हुए इसे दुनिया की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड जिंक उत्पादक और टॉप-5 सिल्वर उत्पादकों में से एक बताया है.